KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 1

# ईंटें, मनकें तथा अस्थियां हड़प्पा सभ्यता

भाग - 7

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

mg







KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# स्तर

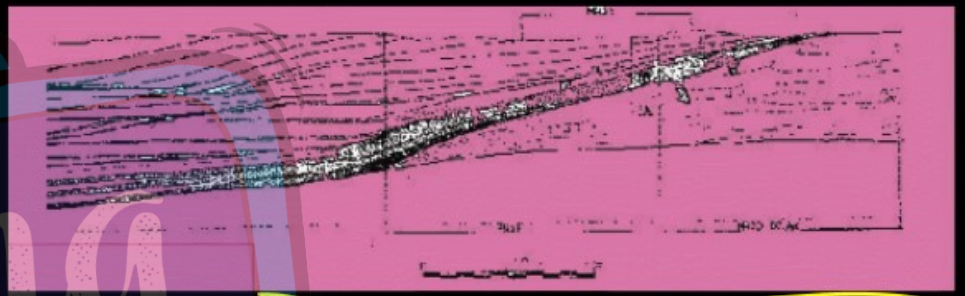

मार्शल स्तर विन्यास के अनदेखा कर टीले में समान परिमाण वाले क्षैतिज इकाइयों के साथ साथ उत्खन्न का प्रयास करते थे।

उपयोगिता → संदर्भ काल

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1861 - कनिंघम

1920 - मार्शल

1944 - व्हीलर

## नयी तकनीकें तथा प्रश्न :-

- 1944 में भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल आर.ई.एम. व्हीलर बने।
- व्हीलर ने मार्शल द्वारा – एक समान क्षैतिज इकाईयों के आधार पर खुदाई की बजाय टीले के स्तर विन्यास का अनुसरण करना अधिक आवश्यक है।
- व्हीलर सेना में पूर्व बिग्रेडियर थे अतः उनहोंने पुरातत्व पद्धति में एक सैनिक परिशुद्धता का भी समावेश किया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. जॉन मार्शल और आर ई एम व्हीलर की पुरातत्व पद्धति में क्या भिन्नताएं थे?



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

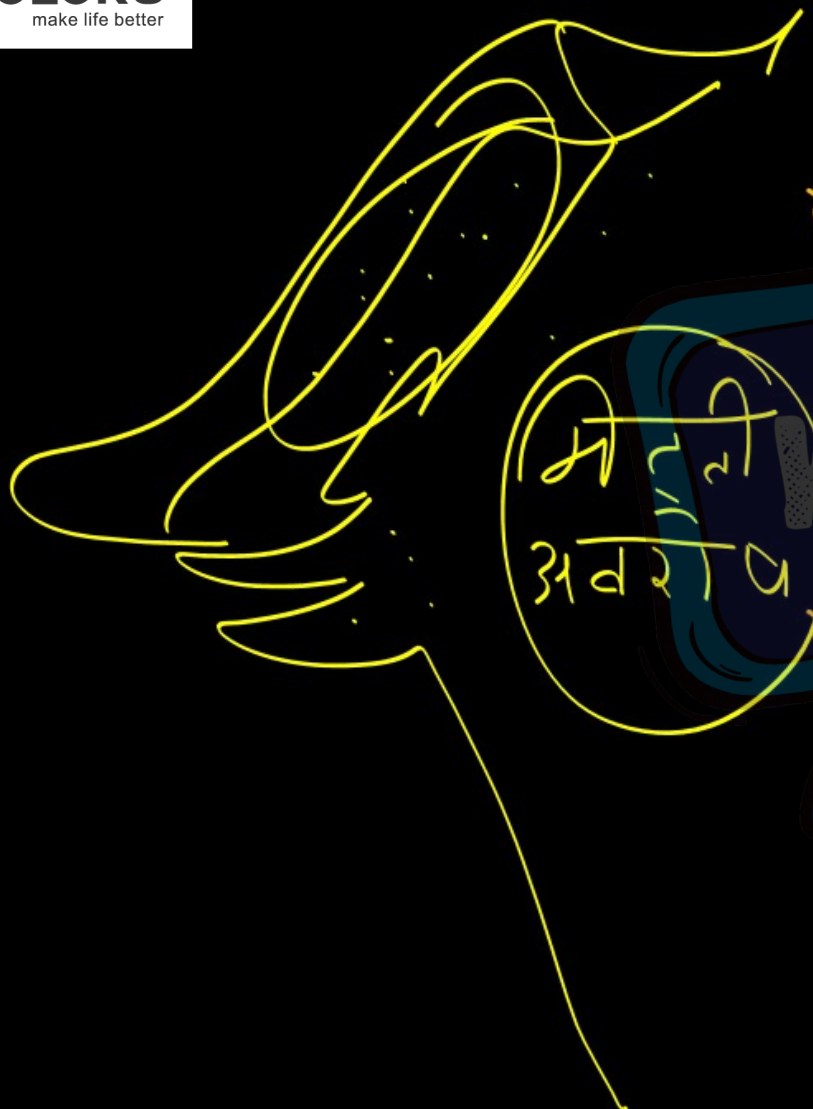


- हड़प्पा सभ्यता की भौगोलिक सीमाओं का राष्ट्रीय सीमाओं से कोई संबंध नहीं है तथा विभाजन के बाद सभ्यता के अधिकांश प्रमुख स्थल पाकिस्तान में है। इस कारण से भारतीय पुरातत्वविदों ने भारत के ही पुरास्थलों को चिन्हित करने का प्रयास किया।
- 1980 के दशक से हड़प्पाई पुरातत्व में अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर भी रूचि लगातार बढ़ती जा रही है। ये लोग आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग करते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# अपेक्षित

अतीत को जोड़कर पूरा करने की समस्याऐं :-

- हड़प्पाई लिपि से इस प्राचीन सभ्यता को जानने में कोई मदद नहीं मिलती।
- इसके अलावा जो भौतिक साक्ष्य जैसे मृदभाण्ड, औजार, आभूषण, घरेलू सामान हो सकते हैं। इनमें कपड़ा, चमड़ा, लकड़ी तथा सरकंडे जैसे जैविक पदार्थ सामान्यतः सड़ जाते हैं क्योंकि ये उष्णकटिबंधीय क्षेत्र हैं।
- जो वस्तुऐं बच जाती है वे पत्थर, पकी मिट्टी तथा धातु ही है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

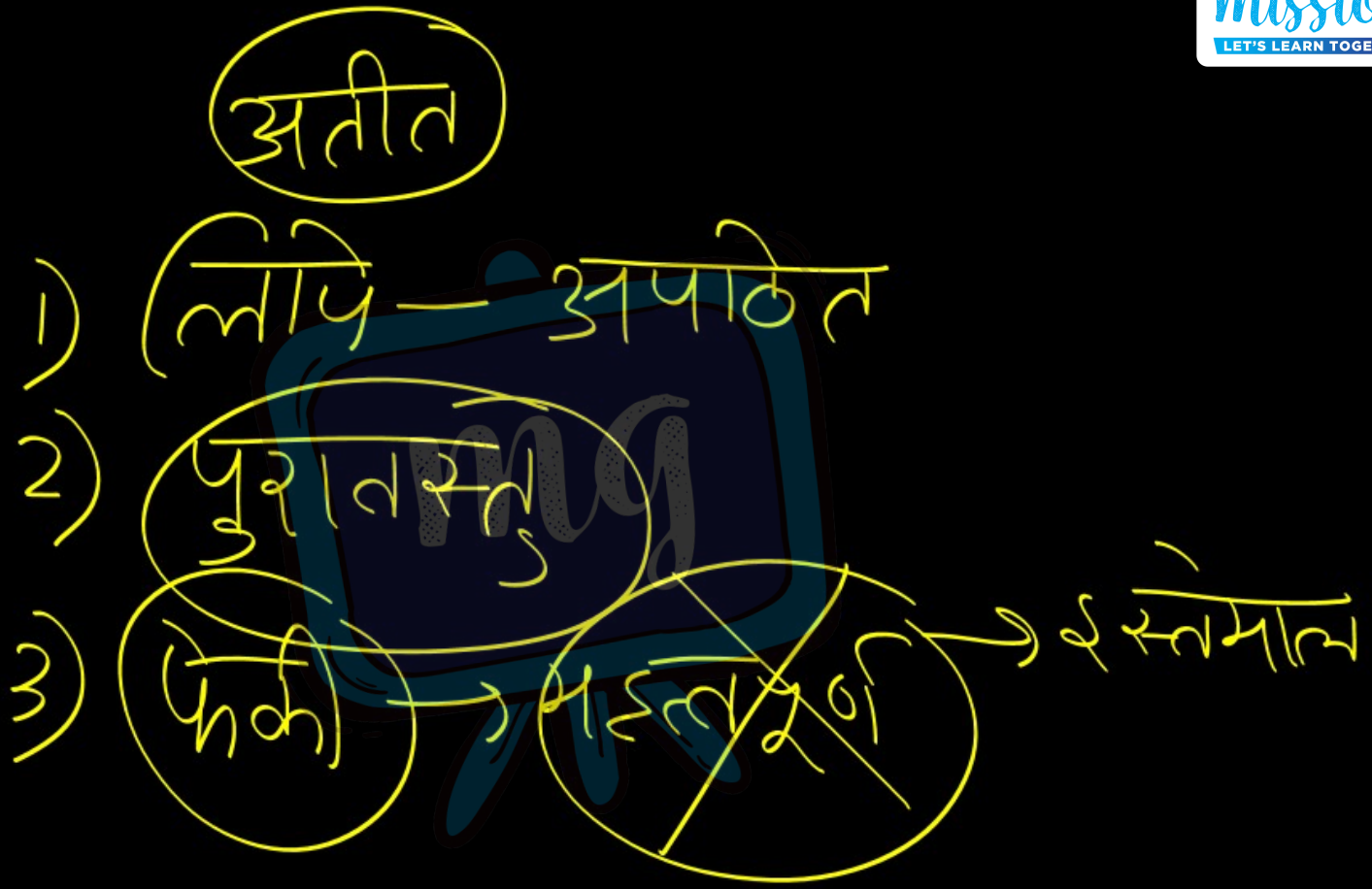

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इस्तेमाल

- इसके अलावा केवल टूटी हुई तथा अनुपयोगी वस्तुएं ही फेंकी जाती थीं। अन्य वस्तुऐं शायद पुनः चक्रित की जाती थीं।
- परिणामस्वरूप जो बहुमूल्य वस्तुऐं अक्षत अवस्था में मिलती है या तो वे अतीत में खोज गयी थी या संचयन के कारण कभी दोबारा प्राप्त नहीं की गई थी। अतः कुछ खोजें प्रारूपिक न होकर संयोजिक हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. हड़प्पा सभ्यता के बारे में जानते में कौनसी समस्याएं उत्पन्न होती?

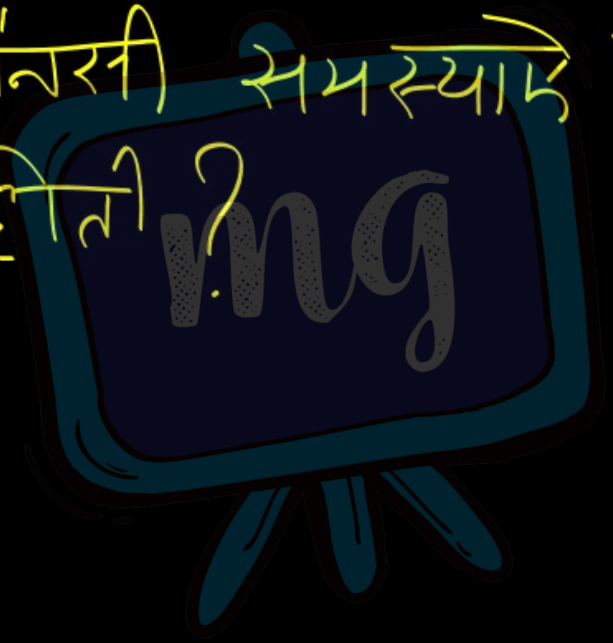

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

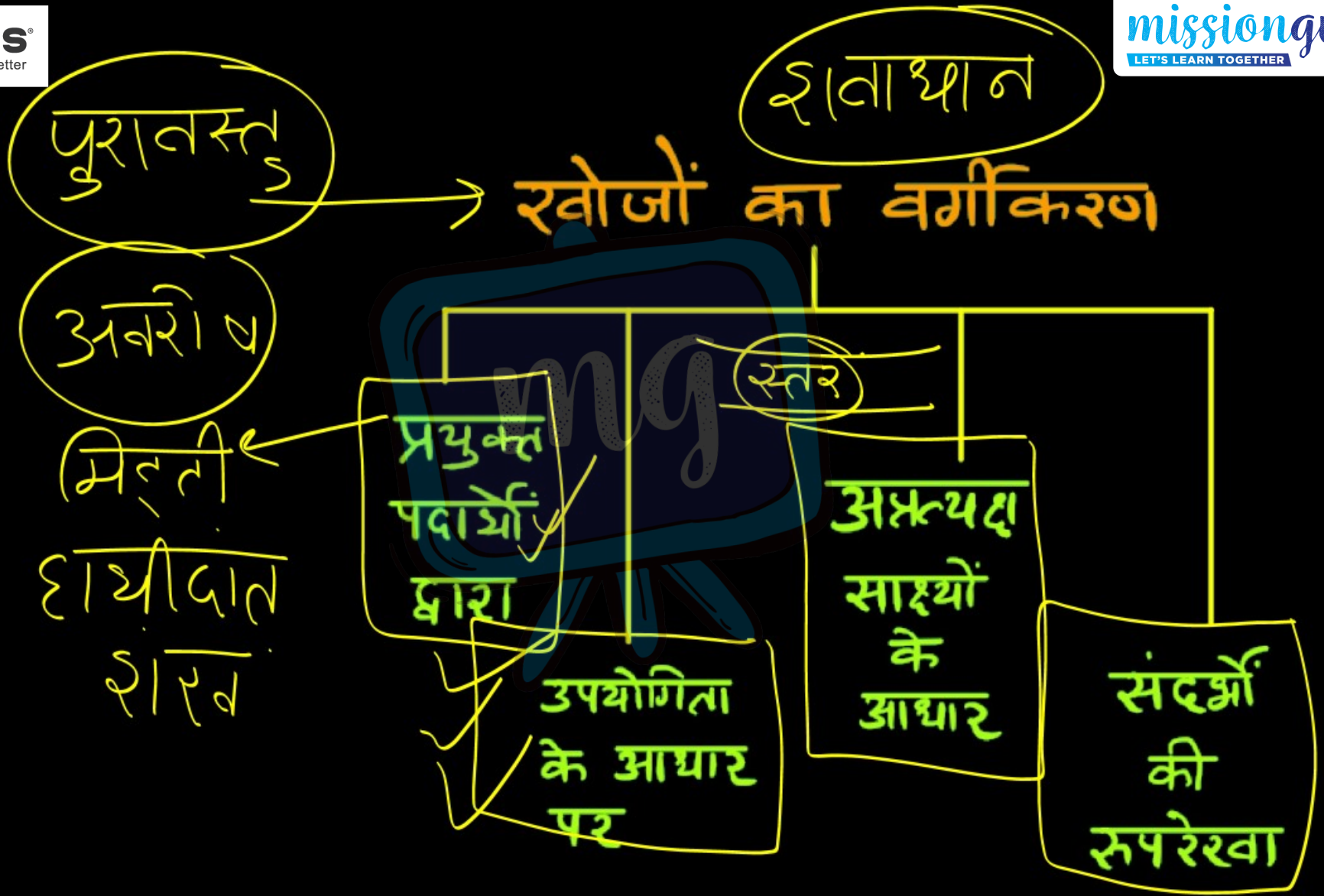

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

धार्मिक ?

स्नानागार ?



मातृसत्तात्मक

**व्याख्या की समस्याऐं :-**

पुरातत्वविदों को सर्वाधिक समस्या धार्मिक प्रथाओं की व्याख्या में आती है।

(i) आरंभिक पुरातत्वविदों को लगता था कि जो वस्तुएं आसामान्य तथा अपरिचित हैं, ये संभवतः धार्मिक महत्व की है जैसे

(a) आभूषणों से लदी हुई नारी मूण्मूर्तियां जिनके शीर्ष पर विस्तृत प्रशाधन थे जिन्हें मातृदेवी माँ की संज्ञा दी गयी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

महल

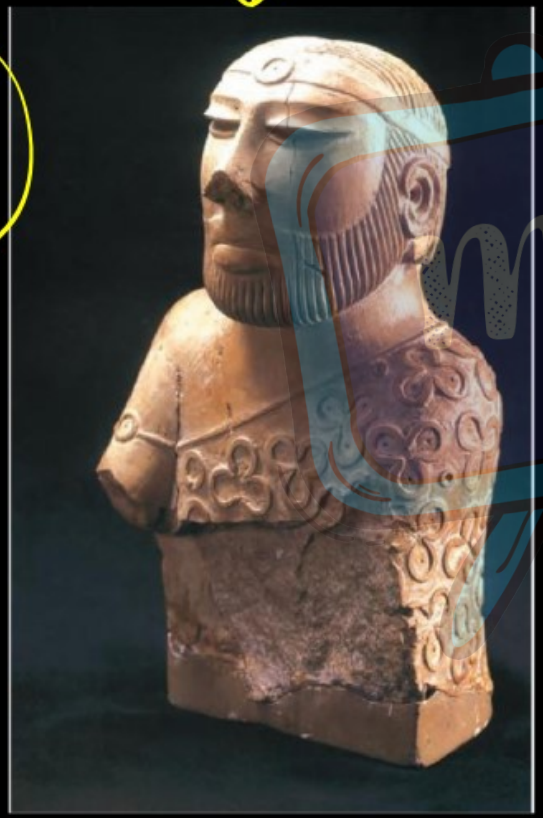

(b) पुरूषों की दुर्लभ पत्थर से बनी मूर्तियां जो एक साथ घुटने पर रखकर मानकीकृत मुद्रा में बैठा है। जैसा कि पुरोहित राजा को भी इसी प्रकार से वर्गीकृत किया गया था।

(c) कई संरचनाओं जैसे विशाल स्नानाघर तथा कालीबंगा व लोथल में मिली वेदियों को आनुष्ठानिक महत्व का माना जाना।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. पुरातत्वविद इड्या की धार्मिक स्थिति के बारे में क्या राय रखते थे?



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(ii) मुहरों जिन पर अनुष्ठान के दृश्य बने हैं उन्हें भी धा... आस्थाओं से जोड़ा गया है।

(iii) जिन मुहरों पर पेड़ पौधों के चित्र उत्कीर्ण हैं वे प्रकृति पूजा के संकेत देते हैं।

(iv) कुछ मुहरों पर जानवरों पर एक सींग वाले जानवर – एकश्रंगी का चित्र है कल्पित लगता है।

(v) कुछ मुहरों पर 'योगी' की मुद्रा की आकृति है जिसे कभी कभी जानवरों से घिरा दर्शाया गया है इसे 'आद्य-शिव' की संज्ञा दी गयी है।

(vi) पत्थर की शंक्वाकार वस्तुओं को लिंग कहा जाता है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

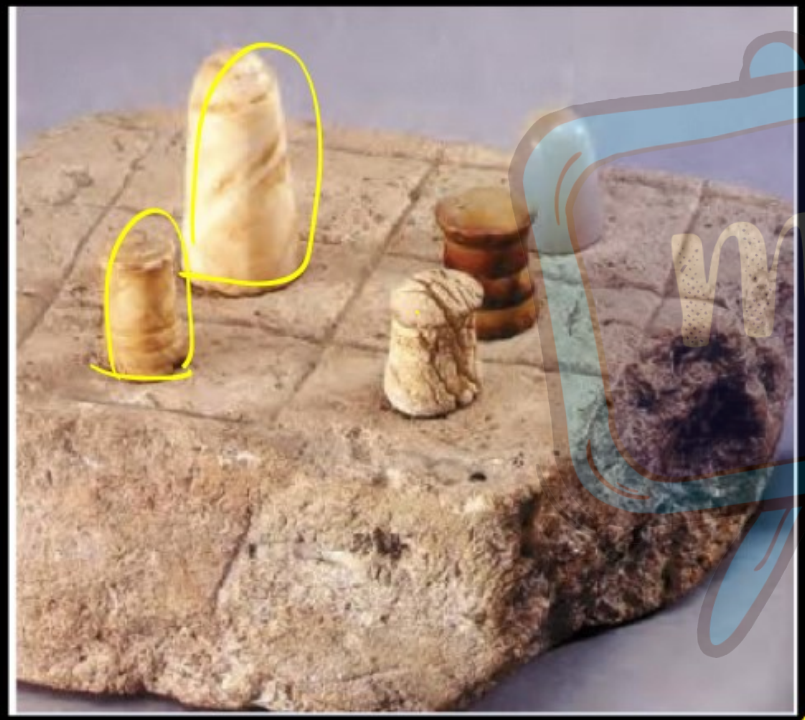

- आद्य शिव की मुहरों की व्याख्या करें तो ऋग्वेद में रूद्र नामक देवता का उल्लेख है (1500 ई. पू. – 1000 ई. पू.) इसके विपरीत रूद्र को ऋग्वेद में न तो पशुपति और न ही योगी दिखाया है। अतः मुहरों का यह चित्रण ऋग्वेद में दिये गये शिव के चित्रण से मेल नही खाता है।
- अतः धर्म के संबंध में आरंभिक तथा बाद की परम्पराऐं समान हों यह सही नहीं है। यह नीति ज्ञात से अज्ञात की ओर बढ़ने वाली हे जिसे पुरातत्वविद उपयोग में लाते हैं। हालांकि यह चक्कियों तथा पानों के संबंध में युक्ति संगत हो सकती है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

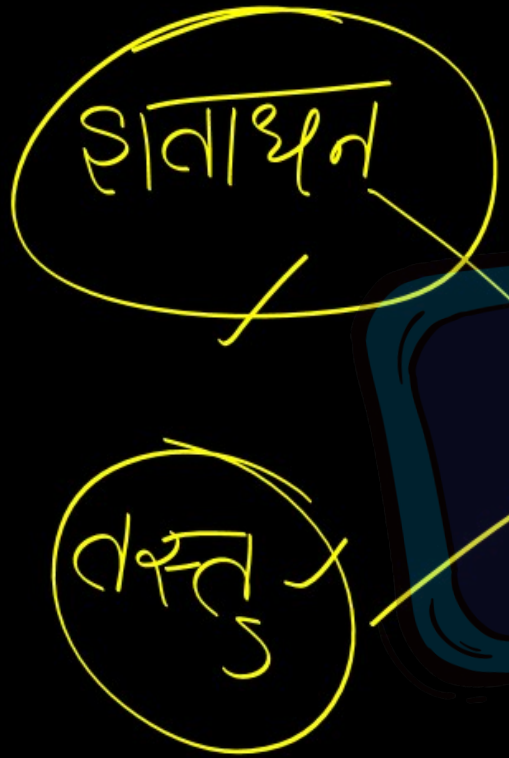


हड़प्पाई क्षेत्रों में पुरातात्विक कार्यों की उपलब्धि :-

1. हड़प्पाई अर्थव्यवस्था के बारे में हमारी जानकारी बेहतर है।
2. सामाजिक भिन्नताओं की गुत्थी सुलझाने में सफल हुए हैं।
3. सभ्यता की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी बढ़ी है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

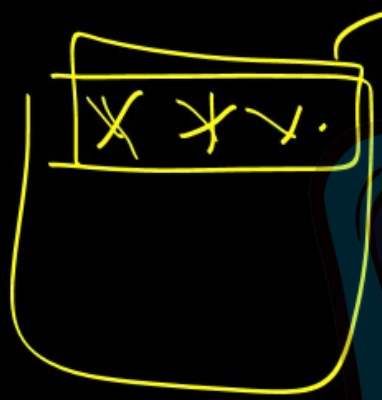

संदिग्ध विषय :-

1. क्या विशाल स्नानाघर एवं आनुष्ठानिक संरचना की है ?
2. साक्षरता कितनी व्यापक थी ?
3. हड़प्पाई कब्रिसतान में सामाजिक भिन्नताऐं कम क्यों हैं ?
4. स्त्री पुरूषों से जुड़े प्रश्न अनुत्तरित हैं तथा स्त्री पुरूषों के संबंधों से जुड़े पहलू अनुत्तरित है।

यह भविष्य में होने वाले कार्य के लिए नया क्षेत्र है।